बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

उड़ाऊ पुत्र

लेखक : Edward Hughes
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
व्याख्याकार : Lazarus
रूपान्तरकार : Ruth Klassen; Sarah S.

60 कहानियों में से 45 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

पहली कहानी सौ भेड़ वाले एक चरवाहे की थी। एक भेड़ खो गयी।
3

फ़ौरन वह चरवाहा निन्यानबे भेड़ों को छोड़ उस एक को ढूंढ़ने के लिए निकल पड़ा।
4

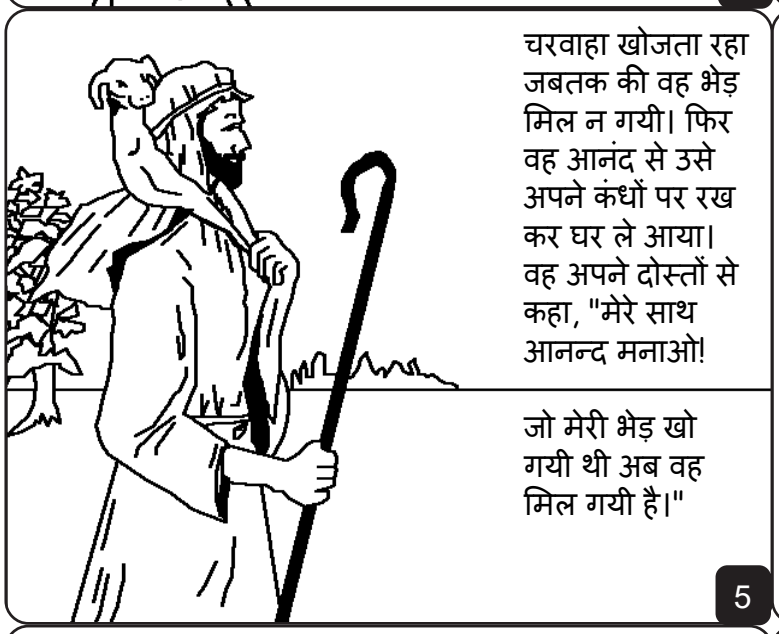
चरवाहा खोजता रहा जबतक की वह भेड़ मिल न गयी। फिर वह आनंद से उसे अपने कंधों पर रख कर घर ले आया। वह अपने दोस्तों से कहा, "मेरे साथ आनन्द मनाओ!
जो मेरी भेड़ खो गयी थी अब वह मिल गयी है।"
5

यीशु ने समझाया, एक पापी के पश्चाताप पर स्वर्ग में बड़ी खुशी और आनंद होता है। पश्चाताप का मतलब हमारे पापों के लिए खेदित होना और उसे छोड़ने के लिए कठोर निर्णय लेना!
6

'अगली कहानी चांदी के दस सिक्के वाली एक महिला की है, जो शायद उसके पूरे जीवन का बचत था। एक अभागी बात घटित हुइ वह अपने एक सिक्के को खो दिया।
7

झाड़ लगा, लगा कर! महिला हर जगह खोजी। अंत में वह खोया हुआ सिक्का मिल गया। वह बेहद खुश थी। क्या आप अनुमान लगा सकते है वह क्या की होगी? हां, वह अपने सभी दोस्तों को बतायी!
8

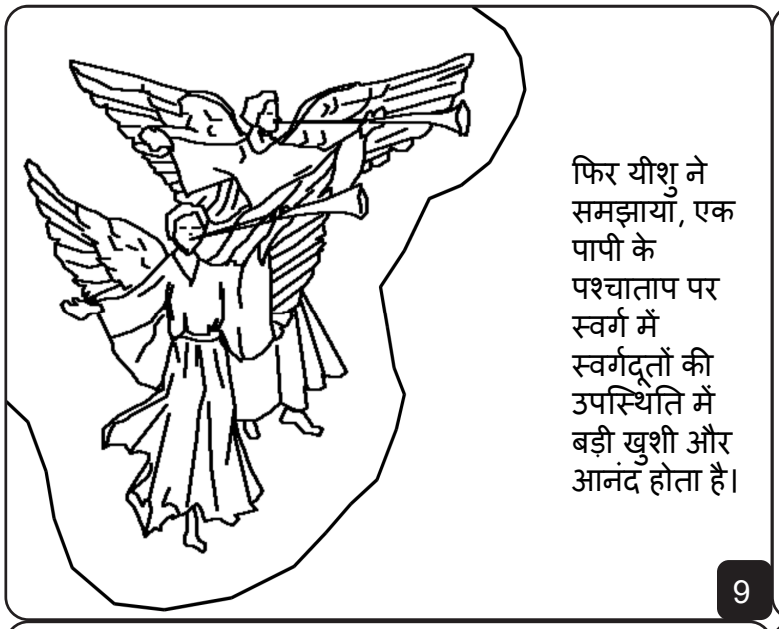
फिर यीशु ने समझाया, एक पापी के पश्चाताप पर स्वर्ग में स्वर्गदूतों की उपस्थिति में बड़ी खुशी और आनंद होता है।
9

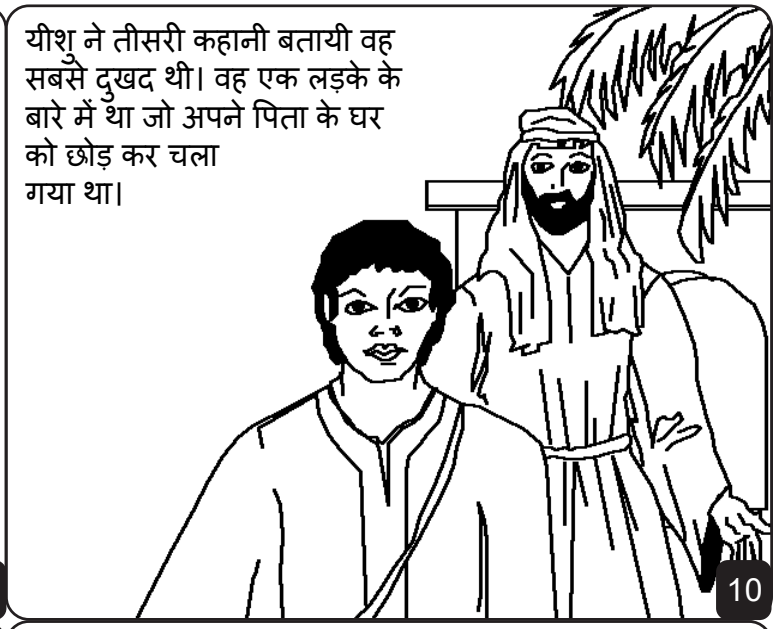
यीशु ने तीसरी कहानी बतायी वह सबसे दुखद थी। वह एक लड़के के बारे में था जो अपने पिता के घर को छोड़ कर चला गया था।
10

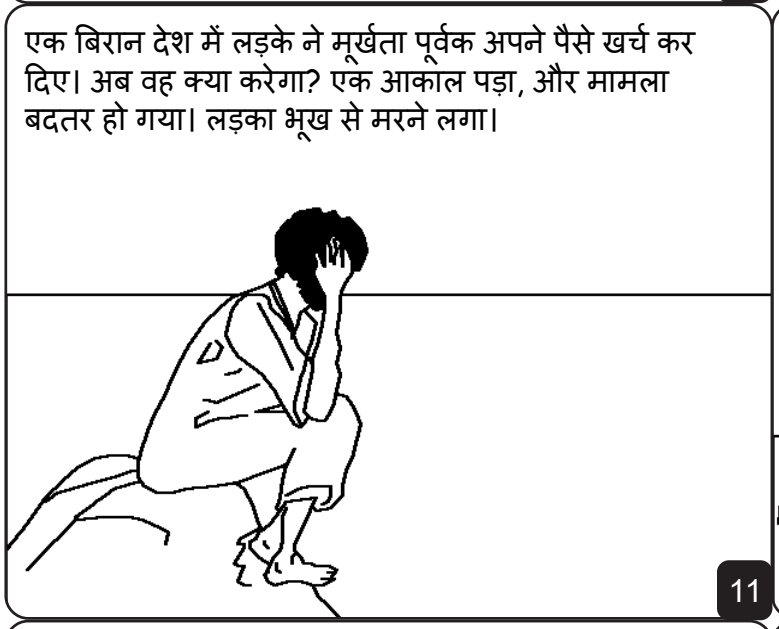
एक बिरान देश में लड़के ने मूर्खता पूर्वक अपने पैसे खर्च कर दिए। अब वह क्या करेगा? एक आकाल पड़ा, और मामला बदतर हो गया। लड़का भूख से मरने लगा।
11

भूख के साथ मायूस, लड़के को सूअरों को चराने की एक नौकरी मिली। लेकिन उसे कोई भी नहीं खिलाया। तब वह सूअर के छोड़ें खाने को ही खाने लगा। हाँ उसने ऐसा ही किया! अंत में, लड़के को होश आया। उसने सोचा, "पिता के मेरे घर में सेवक भी इससे अच्छा खाना खातें है।"
12

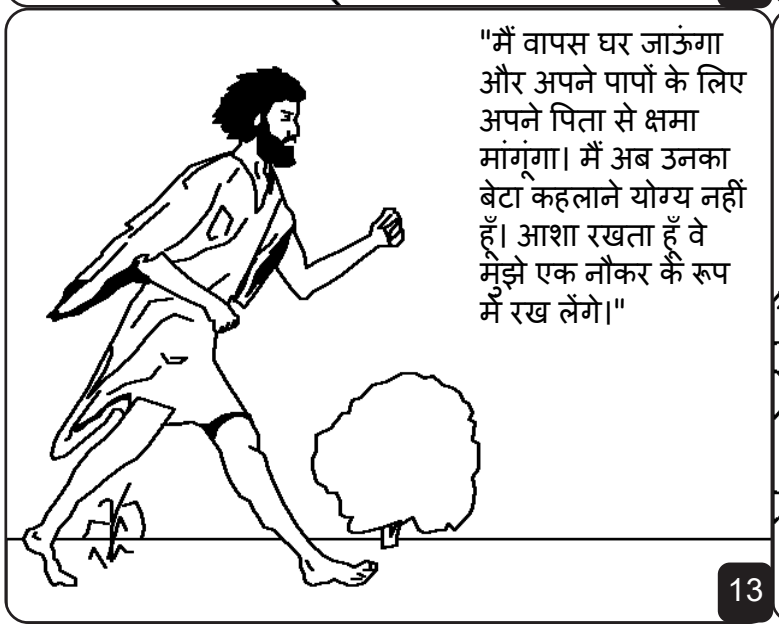
"मैं वापस घर जाऊंगा और अपने पापों के लिए अपने पिता से क्षमा मांगूंगा। मैं अब उनका बेटा कहलाने योग्य नहीं हूँ। आशा रखता हूँ वे मुझे एक नौकर के रूप में रख लेंगे।"
13

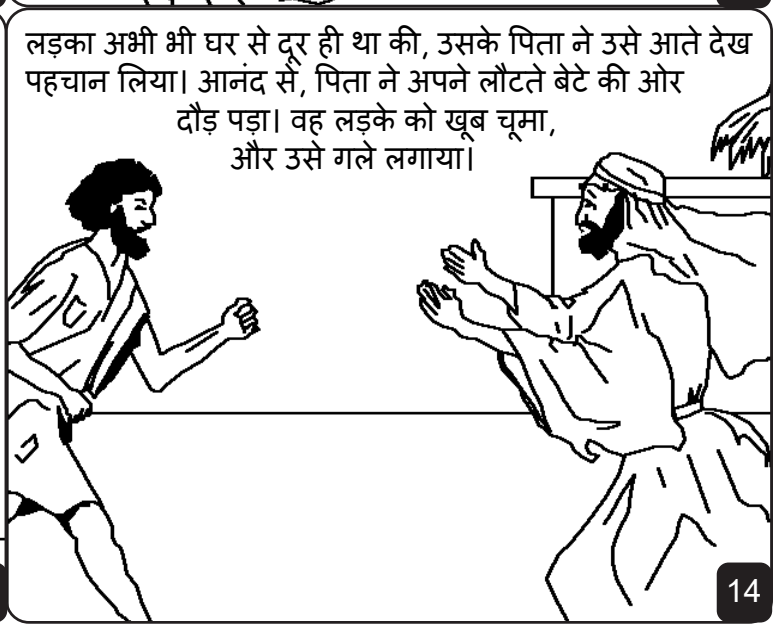
लड़का अभी भी घर से दूर ही था की, उसके पिता ने उसे आते देख पहचान लिया। आनंद से, पिता ने अपने लौटते बेटे की ओर दौड़ पड़ा। वह लड़के को खूब चूमा, और उसे गले लगाया।
14

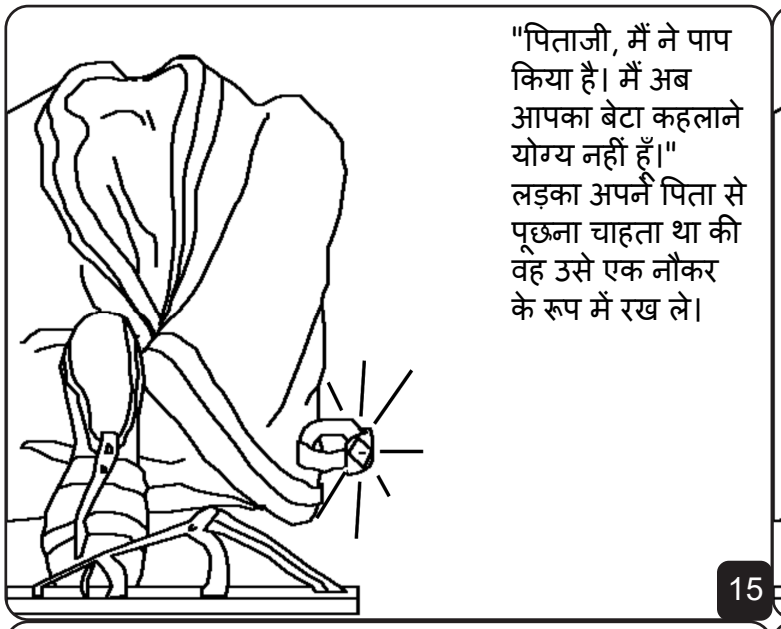

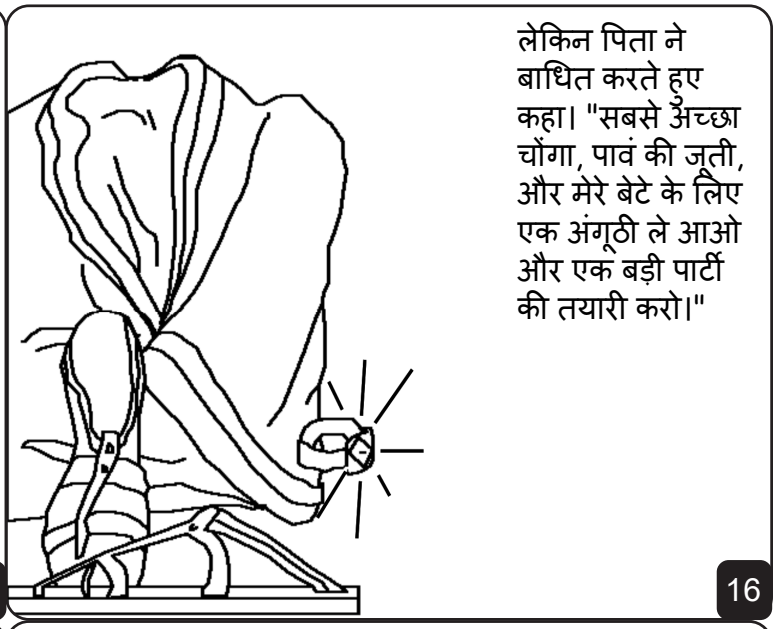

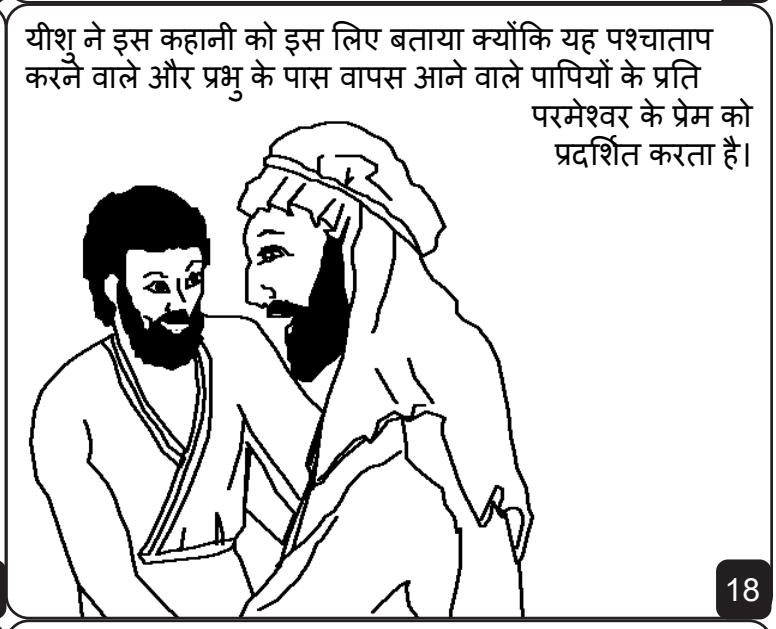

उड़ाऊ पुत्र

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

लूका 15

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.